>

Title: Need to expedite the completion of gange conversion work between Balaghat and Jabalpur railway section.

श्री के.डी. देशमुख (बालाघाट): माननीय सभापति जी, आपने मुझे सदन में बहुत महत्वपूर्ण विषय उठाने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

महोदय, मैं मध्य प्रदेश के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र, बालाघाट से चुनकर आया हूं। बालाघाट जिला नक्सल प्रभावित जिला है। भारत के 34 नक्सल प्रभावित जिलों में मध्य प्रदेश का बालाघाट जिला भी नक्सल प्रभावित माना जाता है। जबलपुर से गोंदिया तक नैरोगेज ट्रेन चलती थी। 1997 में तत्कालीन रेल मंत्री, श्री राम विलास पासवान द्वारा उसे ब्रॉडगेज लाइन बनाने का शिलान्यास किया गया।

आज 13 साल हो गये, गोंदिया से बालाघाट तो नैरोगेज से ब्रॉडगेज हो गई, मगर बालाघाट से जबलपुर अभी भी नैरोगेज चल रही है, ब्रॉडगेज में परिवर्तित नहीं हुई है, उसका काम लम्बित पड़ा हुआ है। जब भारत शासन चाहता है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का विकास होना चाहिए, ज्यादा से ज्यादा राशि वहां के विकास कार्यों में खर्च होनी चाहिए और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान भारत सरकार का जाता है तो बालाघाट जिला नक्सल प्रभावित जिला है, आदिवासी बाहुल्य जिला है, मध्य प्रदेश के अन्तिम छोर का एक पिछड़ा जिला है, वहां 13 साल हो गये, जिस मार्ग को भारत सरकार के द्वारा, रेलवे मंत्रालय के द्वारा नैरोगेज से ब्रॉडगेज में परिवर्तित करने की स्वीकृति प्राप्त हुई है। लेकिन आधा-अधूरा काम होने से बालाघाट जिले के उद्यमियों, व्यापारियों, छात्रों और किसानों में तीव्र आक्रोश है। वह क्या कारण है कि जो मन्द गति से काम चल रहा है, वे कौन से कारण हैं रेलवे मंत्रालय जो बाधाएं हैं, उनको दूर करने का प्रयास करे। एक योजना बनी, एक प्रोजैक्ट बना, वर्षों से बालाघाट जिले के लोगों के मन में तमन्ना थी, कि हम नैरोगेज से ब्रॉडगेज में सफर करेंगे और हमारे लिए बालाघाट जिले के लिए एक विकास का नया रास्ता खुलेगा, मगर उनका सारा सपना धरा का धरा रह गया है।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के रेलवे मंत्रालय से निवेदन करना चाहता हूं कि 13 साल होने के बावजूद भी आधी-अधूरी योजना ब्रॉडगेज की पड़ी हुई है, रेलवे मंत्रालय इस पैंडिंग, लम्बित, अपूर्ण योजना को शीघ्र प्रारम्भ करने का कष्ट करे। बालाघाट जिले की जनता की भावनाओं की ओर मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। धन्यवाद।